NATIONAL EDUCATION POLICY-2020

Common Minimum Syllabus for all
Uttarakhand State Universities and Colleges for
First Three Years of Higher Education

PROPOSED CO-CURRICULAR SYLLABUS
INDIAN TRADITIONAL KNOWLEDGE SYSTEM

2021

Curriculum Design Committee, Uttarakhand

Sr.No.	Name & Designation	
1.	Prof. N.K. Joshi Vice-Chancellor , Kumaun University Nainital	Chairman
2.	Prof. O.P.S. Negi Vice-Chancellor , Uttarakhand Open University	Member
3.	Prof. P. P. Dhyani Vice-Chancellor , Sri Dev Suman Uttarakhand University	Member
4.	Prof. N.S. Bhandari Vice-Chancellor, Soban Singh Jeena University Almora	Member
5.	Prof. Surekha Dangwal Vice-Chancellor, Doon University, Dehradun	Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member
7.	Prof. K. D. Purohit Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member

EXPERT COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Devi Prasad Tripathi	Vice-Chancellor Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar		
2.	Prof. P.C. Kavidayal	Director, Sir J.C Bose Campus, Bhimtal	Management	Kumaun University, Nainital
3.	Prof Rajeev Upadhyay	Director IQAC	Geology	Kumaun University, Nainital
4.	Prof Atul Joshi	Head/ Dean	Commerce	Kumaun University, Nainital
5.	Prof Divya Upadhyay	Director	UGC HRDC	Kumaun University, Nainital
6.	Dr Bhaskar Chaudhary	Assistant Professor	Education	SSJ University, Almora
7.	Dr Ashutosh Bhatt	Assistant Professor	Computer Science	UOU
8.	Dr Jitendra Pandey	Assistant Professor	Computer Science	UOU
9.	Dr. Mahendra Rana	Assistant Professor	Pharmaceutical Sciences	Kumaun University, Nainital
10.	Dr. Nandan Singh Bisht	Assistant Professor	Economics	Kumaun University, Nainital
11.	Dr. Ritesh Sah	Assistant Director	UGC-HRDC	Kumaun University, Nainital
12	Dr. Sparsh Bhatt	Assistant Professor	Statistics	Kumaun University, Nainital

SYLLABUS PREPARATION COMMITTEE

S.N	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Devi Prasad Tripathi	Vice-Chancellor Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar		
2.	Prof Rajeev Upadhyay	Professor	Geology	Kumaun University, Nainital
3.	Prof. Jaya Tewari	Head	Sanskrit	Kumaun University, Nainital
4.	Dr. Lajja Bhatt	Assistant Professor	Sanskrit	Kumaun University, Nainital
5.	Dr. Mahendra Rana	Assistant Professor	Pharmaceutical Sciences	Kumaun University, Nainital
6.	Dr. Nandan Singh Bisht	Assistant Professor	Economics	Kumaun University, Nainital
7.	Dr. Reetesh Sah	Assistant Director	UGC-HRDC	Kumaun University, Nainital
8.	Dr. Sparsh Bhatt	Assistant Professor	Statistics	Kumaun University, Nainital
9.	Dr. Deepakshi Joshi	Assistant Professor	Law	Kumaun University, Nainital
10.	Dr Ashutosh Kumar Bhatt	Assistant Professor	Computer Science	Uttarakhand Open University, Haldwani
11.	Dr Manish Tripathi	Assistant Professor		S.S.J Campus, S.S. J University, Almora
12.	Dr. Jetendra Pnde	Assistant Professor	Computer Science	Uttarakhand Open University, Haldwani
13.	Dr. Bhaskar Chudhary	Assistant Professor	Education	S.S.J Campus, S.S. J University, Almora
14.	Dr. Archana Sah Negi	Assistant Professor	Pharmaceutical Sciences	Kumaun University, Nainital
15.	Dr. Pradeep Kumar	Teaching Personnel	Sanskrit	Kumaun University, Nainital

INDIAN TRADITIONAL KNOWLEDGE SYSTEM

Programme: ***Under Graduation***	**Year: III**	**Semester: VI**
Subject: Co-Curricular Corse		
CourseCode: CCS07	**Course Title:** भारतीय पारम्परिक ज्ञान परम्परा	

Course Outcomes:अधिगम उपलब्धि

भारतीय ज्ञान परम्परा ज्ञान–विज्ञान, लौकिक–पारलौकिक, कर्म और धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भूत समन्वय है। इसमें निहित शिक्षा नैतिक भौतिक, आध्यात्मिक आधिदैविक और बौद्धिक मूल्यों पर केन्द्रित होकर त्याग, समर्पण, दान, दया, परोपकार, सद्भावना, सह–अस्तित्व, एकता, सौहार्द, सौमनस्य, राष्ट्रप्रेम, वसुधैव कुटुम्बकम्, समष्टि–कल्याण, विश्वशान्ति, अभ्युदय, भ्रातृत्वभाव, मित्रवद्भाव, विनम्रता, सत्यता, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और दूसरों के लिए सम्मान जैसे मूल्यों पर जोर देती रही हैं। वर्तमान में भी विद्यार्थी के लिए ऐसी मूल्यपरक शिक्षा की आवश्यकता है। इसी दृष्टि से पारम्परिक ज्ञान को पाठ्यक्रम में समायोजित किया गया है, जिसके अन्तर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, राजतन्त्र, वास्तुकला, ज्योतिष्, वैदिकगणित एवं विविध शिल्पकलाओं का समावेश किया गया है। इनके अध्ययन, मनन एवं अनुशीलनोपरान्त विद्यार्थी का सर्वाङ्गीण विकास होगा और आत्मनिर्भर भारत अभियान योजना में विद्यार्थी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा।

Credits: Nil	**Co-Curricular Corse**
Max. Marks: 100	**Min. Passing Marks: 40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	स्वास्थ्य के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– पारम्परिक ज्ञान परिचय, पारम्परिक ज्ञान की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, महत्त्व, भेद (प्रकार)–आयुर्वेद, योग मन्त्र, उपासना, यज्ञ एवं तीर्थ–यात्रा का सामान्य अध्ययन एवं महत्त्व। स्वास्थ्य की दृष्टि उत्तराखण्ड का पारम्परिक ज्ञान, योगदान एवं महत्त्व।	05
Unit II	शिक्षा के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– शिक्षा की परिभाषा, महत्त्व, भेद एवं साधन। पारम्परिक ज्ञान का शिक्षा का योगदान, गुरुकुल व्यवस्था, ऋषि–मुनि, आचार्य की महत्त्चपूर्ण भूमिका, कर्तव्य, गुरु–शिष्य सम्बन्ध, प्राचीन विश्वविद्यालय–तक्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला, बल्लभी, उज्जयिनी, काशी, विश्वप्रसिद्ध शिक्षा एवं शोध के प्रमुख केन्द्रों का महत्त्वपूर्ण योगदान।	05
Unit III	कृषि के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– कृषि की परिभाषा, विशेषताएँ, प्रकार एवं महत्त्व। परम्परागत कृषि विकास योजना, कृषि में सुधार के उपाय, कृषि विकास की अवस्थाएँ, कृषि में तकनीकी परिवर्तन, कृषि द्वारा उत्पन्न अन्न, फल, सब्जियाँ एवं वृक्ष आदि परिचय एवं महत्त्व।	05
Unit IV	राजतन्त्र के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– राजतन्त्र की परिभाषा, महत्त्व, जनराज्य, प्रशासनिक व्यवस्था, राजा, महामात्य, सेनापति, सैनिकों के अधिकार, कर्तव्य, अर्थव्यवस्था– परिभाषा, साधन एवं महत्त्व।	05
Unit V	वास्तुकला के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– वास्तुशास्त्र का परिचय, महत्त्व, वास्तुस्वरूप, गृहयोजना, ग्रामयोजना, शहरयोजना, राजधानी निर्माण–व्यवस्था एवं महत्त्व, जलव्यवस्था, उद्यान, वनक्षेत्र– परिचय एवं महत्त्व।	05
Unit VI	ज्योतिष् के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– ज्योतिष् का अर्थ, परिचय एवं महत्त्व, ज्योतिष् के प्रतिपाद्य विषय– ग्रह, राशि, नक्षत्र, तारे, सौरपरिवार, ब्रह्माण्ड परिचय, खगोलशास्त्र परिचय एवं महत्त्व। वैदिकगणित के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– परिचय एवं महत्त्व। शिल्प के क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान– शिल्पकला–मृदाशिल्प, काष्ठशिल्प, लौहशिल्प, कांस्यशिल्प, स्वर्णशिल्प एवं रत्नशिल्प आदि का परिचय एवं	05

	महत्त्व।	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	

Suggested Reading:

1. वेदों में विज्ञान– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदोही।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास– राजनीतिशास्त्र, संगीतशास्त्र खण्ड– पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0सं0सं0 लखनऊ।
3. वेदों में राजनीति– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदोही।
4. वेदों में विज्ञान–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदोही।
5. वेदों में आयुर्विज्ञान–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदोही।
6. वैदिक गणित– जगद्गुरू स्वामी, भारतीय कृष्ण तीर्थ, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
7. प्राचीनकालीन वैदिक शिक्षाप्रणाली– शिक्षा और भारतीय विरासत, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय।
8. भारतीय वास्तुशास्त्र– शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुरशास्त्रीय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
9. वास्तुसार– डॉ0 देवी प्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
10. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास– ज्योतिष् खण्ड– पद्मभूषण आचार्य श्री बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0सं0सं0 लखनऊ।
11. भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
12. अथर्ववेदीय चिकित्सा एवं ओषधि–विज्ञान– डॉ0 शालिनी शुक्ला, अक्षयवट प्रकाशन 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: